पूर्वोदय

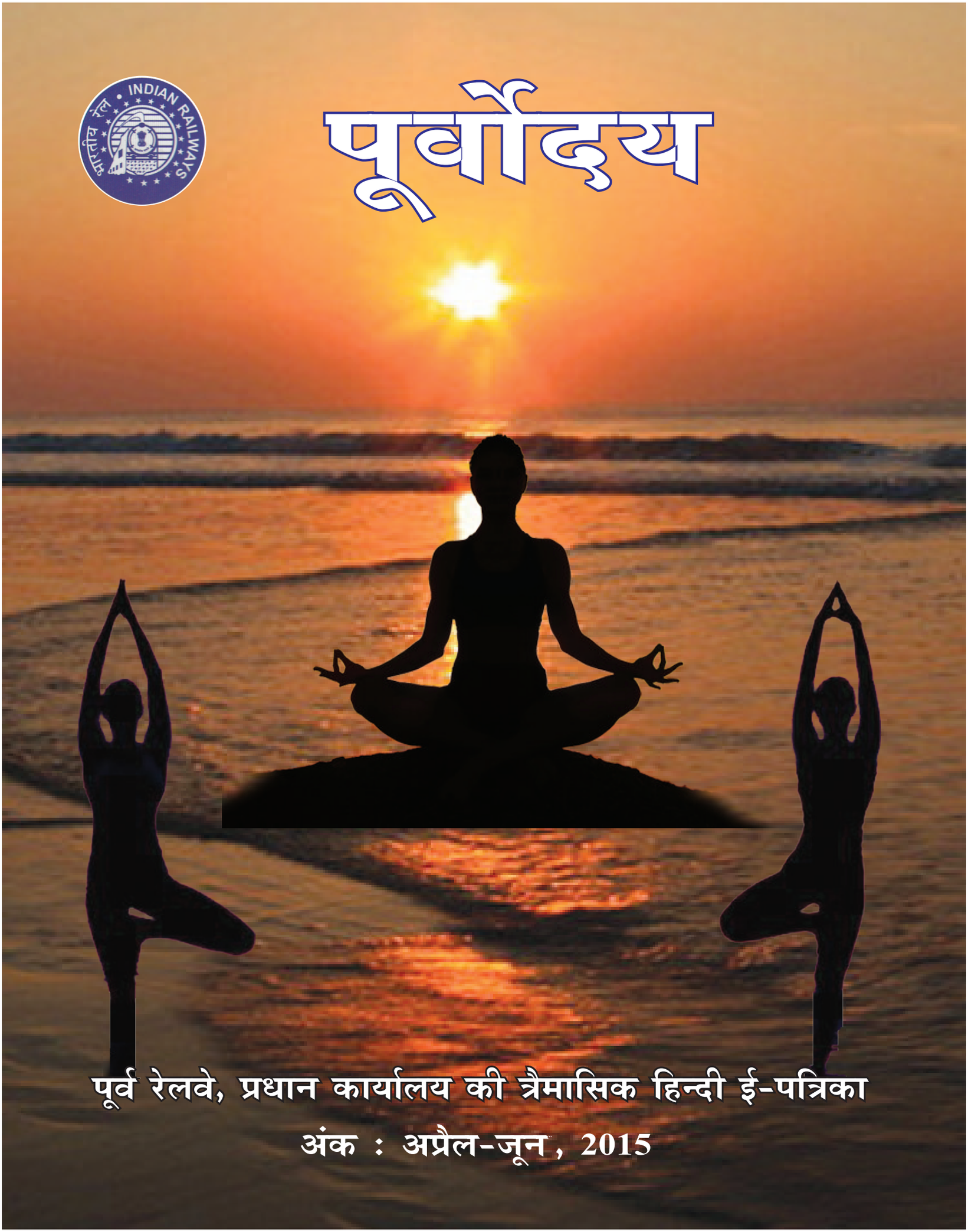

पूर्व रेलवे, प्रधान कार्यालय की त्रैमासिक हिन्दी ई-पत्रिका

अंक : अप्रैल-जून, 2015

चित्र दीर्घा

पत्र सूचना कार्यालय
Press Information Bureau, Kolkata
Ministry of I & B, Govt. of India

पूर्व रेलवे
EASTERN RAILWAY

EASTERN RAILWAY
पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे महिला कल्याण समिति

पूर्व रेल महिला कल्याण समिति
द्वारा आयोजित

EASTERN RAILWAY
पूर्व रेलवे

EASTERN RAILWAY
पूर्व रेलवे

हमारी उपलब्धियाँ

आरंभिक राजस्व लदान – पूर्व रेलवे में वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान 67.247 लाख टन का राजस्व लदान किया गया जबकि वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान यह 62.578 लाख टन था। उल्लेखनीय है कि रेलवे बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2014–15 में आरंभिक राजस्व लदान के लिए 65 लाख टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस प्रकार उपरोक्त उपलब्धि से यह स्पष्ट है कि पूर्व रेलवे इस क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रही है। क्षेत्र विभाजन के बाद किसी भी वित्तीय वर्ष में लदान के क्षेत्र में यह पूर्व रेलवे का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

कुल आरंभिक आय – विगत वर्ष, पूर्व रेलवे ने कुल 7305.55 करोड़ रुपये की आरंभिक आय अर्जित की थी। मई 2015 तक पूर्व रेलवे की कुल आरंभिक आय 684.70 करोड़ रुपये हो गई है। इस प्रकार इसमें विगत वर्ष की तुलना में 10.17% अधिक अर्थात् 63.20 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है।

पार्सल यातायात एवं वी पी लीज से आय – पूर्व रेलवे ने फरवरी, 2015 तक 120,89 करोड़ रुपये अर्जित किए। विगत वर्ष इसी अवधि में यह 111.4 करोड़ रुपये था। इस प्रकार देखा जाय तो इस रेलवे ने पार्सल यातायात के क्षेत्र में 8.80% की वृद्धि दर्ज की।

इसी प्रकार पूर्व रेलवे ने वी. पी. लीज पर देकर फरवरी 2015 तक 45.76करोड़ रुपये अर्जित किए जो विगत वर्ष की समान अवधि में अर्जित 44.44 करोड़ रुपये की तुलना में 3% अधिक है।

समय पाबंदी – किसी भी रेल के लिए समय पाबंदी एक महत्वपूर्ण विषय होता है चाहे क्यों न वह क्षेत्र यात्री यातायात का हो अथवा माल परिवहन का। पूर्व रेलवे में गाड़ियों की समय पाबंदी में बहुत सुधार हुआ है। यदि बोर्ड द्वारा निर्धारित 90% के लक्ष्य से तुलना की जाए तो हम यह लक्ष्य पूरा करने में सफल रहे हैं। पूर्व रेलवे में लगातार किए जा रहे अवसंरचनात्मक सुधारों को देखते हुए निश्चयपूर्वक कहा जा सकता है कि भविष्य में इस क्षेत्र में और सुधार होगा।

दुर्घटनाओं में कमी – पूर्व रेलवे में परिणामी कोटि की दुर्घटनाओं (Consequential Accidents) में अब तक महत्वपूर्ण कमी आई है। इस वर्ष मार्च 2015 तक इस तरह के केवल 4 मामले सामने आये। विगत वर्ष की समान अवधि की तुलना में इसमें 20% सुधार आया है। यार्ड में होनेवाली दुर्घटनाओं में भी 72% की कमी आई है। अब तक इस तरह के केवल 7 मामले हुए।

ब्लॉक प्रूविंग एक्सेल काउंटर – गाड़ी परिचालन में गाड़ियों की संरक्षा एवं यात्रियों तथा रेल संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पूर्व रेलवे द्वारा गाड़ियों के परिचालन में संरक्षा तथा विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे के 39 विभिन्न ब्लॉक सेक्शनों में अवरोध का पता लगाने वाले एक्सेल काउंटर (ब्लॉक प्रूविंग एक्सेल काउंटर) लगाए गए।

समपार फाटक – गाड़ियों तथा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाइनों के निकट बने समपार फाटकों पर लाइन की दोनों तरफ स्लाइडिंग अथवा लिफ्टिंग बैरियरों की व्यवस्था होती है जिससे इन्हें आवश्यकता एवं सुविधानुसार खोला अथवा बंद किया जा सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु पूर्व रेलवे ने इस वर्ष 30 समपार फाटकों को इंटरलॉकयुक्त करने का काम पूरा किया है। इसी के साथ इस रेलवे के क्षेत्राधिकार में आने वाले 11 समपार फाटकों पर स्लाइडिंग बैरियर लगाए और 35 फाटकों पर विद्युतचालित लिफ्टिंग बैरियरों की व्यवस्था की गई। 02 नवनिर्मित समपार फाटकों पर टेलिफोन की भी व्यवस्था की गई।

आपदा प्रबंधन – दुर्घटनाओं एवं प्राकृतिक आपदाओं के दौरान यात्रियों तथा आम नागरिकों को राहत और दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों में तत्काल सहायता पहुँचाना अत्यधिक आवश्यक होता है। किन्तु अनुभवहीनता के कारण राहत कार्य अक्सर दुरूह हो जाता है। इसलिए राहत कर्मियों का इस कार्य में दक्ष होना अपेक्षित होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पूर्व रेलवे के सभी मंडलों में अपने कर्मचारियों को राहत एवं बचाव कार्य में प्रशिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें सदा तैयार रखने के उद्देश्य से राज्य सरकार के विभिन्न संगठनों एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर वृहत पैमाने पर आपदा प्रबंधन के अभ्यास कराए गए।

पूर्व रेलवे में क्षेत्रीय रेल हिन्दी नाट्योत्सव

पूर्व रेलवे में क्षेत्रीय रेल हिन्दी नाट्योत्सव – 2015 का आयोजन 17.06.2015 को सियालदह मंडल के डा. बी सी राय प्रेक्षागृह में श्री आर के गुप्ता, महाप्रबंधक पूर्व रेलवे की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री ए. के. गुप्ता, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य संरक्षा अधिकारी ने किया। आरंभ में नाट्य संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें विशेषज्ञों ने नाटक के व्यावहारिक एवं कलात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात नाट्य प्रतियोगिता शुरू हुई जिसमें तीन नाटकों की प्रस्तुति की गई – काँचरापाड़ा कारखाना द्वारा 'वो एक दिन', सियालदह मंडल द्वारा 'देवभूमि' और लिलुआ कारखाना द्वारा 'दुखिया की कहानी'। नाटकों की प्रस्तुति व स्तर का निर्णय बाहर से आमंत्रित दो नाट्य विशेषज्ञों द्वारा किया गया – सर्वश्री सुशील कांति एवं प्लावन बसु। दोनों ही विशेषज्ञ 'रंगशिल्पी' नाट्य संस्था के संचालक हैं।

पहला नाटक वो एक दिन कॉलेजों व अन्य शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की समस्या से संबंधित था। कानूनन रैगिंग पर रोक और कॉलेज के अधिकारियों द्वारा इसे रोकने के प्रयासों के बावजूद छिपकर एक छात्र की रैगिंग की जाती है जिसकी दुखद परिणति उस छात्र द्वारा आत्महत्या के रूप मे होती है। नाटक में इस समस्या को पूरी तीव्रता से उठाया गया था। दूसरा नाटक 'देवभूमि' उत्तराखंड में हाल में आई भयानक बाढ़ की पृष्ठभूमि में साम्प्रदायिकता की समस्या को उठाता था। बाढ़ की विभीषिका में संत्रस्त एक हिन्दू और एक मुस्लिम परिवार भोजन के पैकेटों के लिए झगड़ पड़ता है और बात बढ़ते बढ़ते एक दूसरे के धर्मों पर लांछन तक पहुँच जाती है। सेना का जवान बीच-बचाव करता है और वह सभी मनुष्यों की एकता और धर्मों के आपसी सद्भाव का संदेश देता है। इस नाटक को

श्रेष्ठ संवाद-लेखन और श्रेष्ठ सह-अभिनेता का पुरस्कार मिला।

तीसरा नाटक 'दुखिया की कहानी' प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'सद्गति' पर आधारित था। यह कहानी छूआछूत, हरिजनों पर ऊंची जाति के अत्याचार और धार्मिक रूढ़ियों पर कुठाराघात करती है। दुखिया चमार को अपनी बेटी की शादी के लिए पंडितजी से लगन दिखाना ही है, यह जानते हुए भी कि पंडितजी उसका दिया कुछ भी ग्रहण नहीं करेंगे। पंडितजी द्वारा 'लगन देखने' के एवज में दुखिया से एक से एक भारी काम करवाते हैं। भूखा-प्यासा दुखिया पंडितजी से पानी तक पाए बिना काम करता रहता है। अंततः लकड़ी की एक सख्त गाँठ को फाड़ने का प्रयास करते हुए भूख-प्यास से उसकी मृत्यु हो जाती है। चमारटोली पुलिस का मामला बताते हुए उस लाश को उठाने से इनकार कर देती है। पंडितजी, जो जीवित दुखिया से छू जाने तक को घोर पाप मानते हैं, वही मृत दुखिया की लाश को पुलिस के डर से रात के अंधेरे में स्वयं अपने हाथ से घसीटकर ठिकाने लगाते हैं। कहानी की कारूणिकता और विडम्बना को पूरी तीव्रता से नाटक में प्रस्तुत किया गया था। इसी नाटक ने अपने सशक्त कथानक, उत्कृष्ट अभिनय और प्रभावशाली मंच-सज्जा के कारण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसे ही निर्देशन, कथानक, अभिनय, मंच-सज्जा और संगीत मे सर्वश्रेष्ठ होने का पुरस्कार मिला।

नाटक के परिणामों की घोषणा अपर महाप्रबंधक श्री बी. के. पटेल ने की। प्रथम एवं द्वितीय घोषित नाटक को क्रमशः महाप्रबंधक श्री आर के गुप्ता एवं पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती वीणा गुप्ता ने पुरस्कार प्रदान किए।

नाट्य प्रतियोगिता का परिणाम

पुरस्कार	मद	प्रस्तुतकर्त्ता
प्रथम पुरस्कार	दुखिया की कहानी	लिलुआ कारखाना
द्वितीय पुरस्कार	देवभूमि	सियालदह मंडल
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	नवारूण सेन, वरिष्ठ तकनीशियन (दुखिया की कहानी)	लिलुआ कारखाना
श्रेष्ठ संवाद लेखन	देवभूमि	सियालदह मंडल
श्रेष्ठ कथानक	दुखिया की कहानी	लिलुआ कारखाना
श्रेष्ठ अभिनेता	राज चक्रवर्ती, वरिष्ठ लिपिक (दुखिया की कहानी)	लिलुआ कारखाना
श्रेष्ठ सह-अभिनेता	तरूण कुमार बोस, तकनीशियन-II (देवभूमि)	सियालदह मंडल
श्रेष्ठ संगीत	राणा दास, मु. कार्या. अधीक्षक, स्था. (दुखिया की कहानी)	लिलुआ कारखाना
श्रेष्ठ मंच-सज्जा	वरूण देवनाथ, तकनीशियन-I (दुखिया की कहानी)	लिलुआ कारखाना

विजेता नाट्य दल : दुखिया की कहानी

राजभाषा संबंधी गतिविधियाँ

क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक – दिनांक 25.03.2015 को महाप्रबंधक की अध्यक्षता पर क्षेरेराकास की बैठक आयोजित हुई। समिति के अध्यक्ष, महाप्रबंधक ने प्रशिक्षण कार्यों को लक्ष्य वर्ष 2015 तक पूरा कर लिए जाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से प्रशिक्षित कर्मचारियों का सदुपयोग हिंदी में काम करने के लिए करने को कहा। उन्होंने हिंदी टंकण/आशुलिपिक का प्रशिक्षण पाए कार्मिकों से हिंदी में टंकण कराने एवं डिक्टेशन देने का भी सुझाव दिया।

पत्रिकाओं का विमोचन – पूर्व रेलवे मुख्यालय द्वारा तिमाही आधार पर प्रकाशित होने वाली हिंदी गृह पत्रिका 'प्रतिबिम्ब' एवं ई-पत्रिका 'पूर्वोदय' का विमोचन महाप्रबंधक महोदय द्वारा दिनांक 25.03.2015 को आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान किया गया।

राजभाषा सहायिका का प्रकाशन – पूर्व रेलवे मुख्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा सहायिका नामक एक पुस्तिका प्रकाशित की गई है। इस पुस्तिका में हिंदी की व्याकरण संबंधी कुछ मूलभूत जानकारियाँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ भारत सरकार की चुनिंदा राजभाषा नीतियों का वर्णन किया गया है। पुस्तिका का सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग इसमें शामिल विभागीय परीक्षाओं में सामान्यतया पूछे जाने वाले राजभाषा संबंधी प्रश्नों एवं उनके उत्तर का संग्रह है। इस पुस्तिका का समुचित अध्ययन से सभी अधिकारी/कर्मचारी लाभान्वित हो सकते हैं।

तकनीकी संगोष्ठी – क्षेरेराकास की बैठक के दौरान एक तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई थी जिसमें हावड़ा मंडल के वरिष्ठ संरक्षा अधिकारी श्री स्वप्न कुमार दास द्वारा 'एनडीआरएफ' के साथ समग्र आपदा प्रबंधन का अभ्यास विषय पर पावर प्वाइंट पर स्लाइड की सहायता से विषद चर्चा की गई। इसमें हावड़ा स्टेशन के निकट हुई एक रेल दुर्घटना को मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया था।

महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कार – मुख्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा मार्च 2015 में परिचालन विभाग की *'सामान्य नियम एवं सहायक नियम'* की लगभग 300 पृष्ठों की पुस्तिका का हिंदी में अनुवाद किया गया। साथ ही, विभागीय परीक्षाओं में सहायता के लिए *'राजभाषा सहायिका'* का प्रकाशन किया गया। इन कार्यों से प्रसन्न होकर महाप्रबंधक द्वारा मुख्यालय के राजभाषा कार्मिकों के लिए 10,000 रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई।

संपर्क :

संपादक, 'पूर्वोदय'

पूर्व रेलवे, प्रधान कार्यालय,

फेयरली प्लेस,

17, एन. एस. रोड, कोलकाता–700 001

☎ (033) 22224171, 24171 (रेलवे)

ईमेल : purvoday_hindi@yahoo.co.in

पत्रिका का वितरण नि:शुल्क है।

ग़ज़ल

अन्धकार पर बहुत लिख चुके अब तो लिखो उजालों पर ।
बुझे दीप को छोड़ लिखो अब धधकी हुई मशालों पर ।

नख शिख वर्णन करके कितने भर डाले कोरे पन्ने,
जो सीमा पर शीश चढ़ाते लिक्खो उन मतवालों पर ।

जोर जुल्म के हर परचम को कलम झुकाया करती है,
प्रखर लेखनी मुखरित कर दो जलते हुए सवालों पर ।

स्याह पक्ष के पोषक बेशक कलम छीनना चाहेंगे,
पर कब तक आघात करेंगे चिंतनशील खयालों पर ।

जितनी चाहो करो प्रशंसा सत्ता के प्रासादों की,
किंतु कभी तो कलम उठाओ दीन हीन बेहालों पर ।

अपने अपने भ्रमजालों में उलझी रहती है दुनिया,
शब्द चितेरा चित्र बनाता दुनिया के जंजालों पर ।

निशा ओढ़ कर सो जाती है अन्धियारे की चादर को,
'रवि' लिखता है नित्य सवेरा तम के क्रूर कपालों पर ।

– रवि प्रताप सिंह

संरक्षक
आर. के. गुप्ता
महाप्रबंधक

प्रधान संपादक
ए. के. गुप्त
मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं
मुख्य संरक्षा अधिकारी

संपादक
डॉ. वरुण कुमार
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)

सह संपादक
ग्रेगोरी तिग्गा
वरिष्ठ अनुवादक
एवं
प्रमोद कुमार सिंह
कनिष्ठ अनुवादक

तकनीकी सलाहकार
मृणाल कांति सिन्हा
वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (कंप्यूटर)

पूर्वोदय का नेट संस्करण www.er.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है.